राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाचार गेट

वर्ष 1, अंक 81, पेज 8, मूल्य 1 रूपये | बुधवार 5 जून 2024 | samachargate@gmail.com | TITLE CODE: HARHIN11569

तीसरे कार्यकाल में देश नए फैसलों का अध्याय लिखेगा... ये मोदी की गारंटी है

बीजेपी लगातार तीसरी बार सबसे बड़े दल को रूप में उभरी

समाचार गेट/ नरवीर यादव

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों की काउंटिंग में अब तक रुझानों से स्पष्ट हो गया है कि एक दशक बाद फिर से केंद्र में गठबंधन सरकार का दौर वापस हो गया है। बीजेपी लगातार तीसरी बार सबसे बड़े दल को रूप में जरूरी उभरी है, लेकिन उसके पास अपने दम पर सरकार बनाने के लिए 272 का जादुई आंकड़ा नहीं है। बीजेपी अपने गठबंधन साथियों के साथ सरकार जरूर बना लेगी लेकिन वह सरकार एनडीए के सहयोगी दलों की बैशाखी पर ही टिकी रहेगी। उधर, इंडिया गठबंधन ने अपने प्रदर्शन में जबर्दस्त सुधार करते हुए भी बहुमत के आंकड़े से बहुत दूर रह गया है। कांग्रेस और सपा ने अपनी सीटों में सराहनीय सुधार किया है। कांग्रेस शतक के करीब है तो सपा ने उत्तर प्रदेश में चुनावी समीकरणों को औंधे मुंह करते हुए 33 सीटों पर कब्जा जमाने की ओर बढ़ गई है। उसके सहयोगी दल कांग्रेस ने भी यूपी में उम्मीद से बहुत बेहतर प्रदर्शन करते हुए सात सीटों पर जीत की तरफ कदम बढ़ा दिया है। वहीं, बीजेपी यूपी में 36 सीटों पर सिमट गई है। ऐसे में बीजेपी का बड़ा दारोमदार आंध्र प्रदेश के क्षेत्रीय दल टीडीपी के प्रमुख चंद्र बाबू नायडू और बिहार में जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार पर टिक गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'भाजपा ओडिशा में सरकार बनाने जा रही है और लोकसभा चुनाव में भी ओडिशा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यह पहली बार होगा जब महाप्रभु जगन्नाथ की धरती पर भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। भाजपा ने केरल में भी एक सीट जीती है, हमारे केरल के कार्यकर्ताओं ने बहुत बलिदान दिए हैं। कई पीढ़ियों से वे संघर्ष करते रहे और पीढ़ियों से जिस पल का इंतजार किया वह आज आ गया है।'

उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से अपनी जीत पर भाजपा नेता मनोज तिवारी ने कहा, 'मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं... दिल्ली ने हमें सभी 7 सीटें दीं... हम दिल्ली के लिए काम करेंगे... यह मतदाताओं की जीत है। कांग्रेस और अआद ने दिल्ली के लोगों को धोखा दिया और उनका विश्वास खो दिया...3 साल के अंदर, हम दिल्ली की हर समस्या का समाधान करेंगे...'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा,आपके इस प्यार, इस आशीर्वाद के लिए मैं सभी देशवासियों का ऋणी हूं। इस पावन दिन ठ्ड्अ की लगातार तीसरी बार सरकार बननी तय है। हम सभी जनता जनार्धन के बहुत आभारी हैं। देश में भाजपा पर, ठ्ड्अ पर पूर्ण विश्वास जताया है। आज की ये विजय दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठ की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'चुनाव के इस जनादेश के कई पहलू हैं, 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार आई है। राज्यों में जहां भी विधानसभा चुनाव हुए, वहां ठ्ड्अ को भव्य विजय मिली है, चाहे अरुणाचल प्रदेश हो, ओडिशा हो, आंध्र प्रदेश हो या फिर सिक्किम, इन राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है।'

देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार

मोदी के विकास रुपी विजन पर जनता ने लगाई जीत की मोहरः कृष्णपाल

जीत हासिल करने के बाद कृष्णपाल गुर्जर बोले, फरीदाबाद के चहुंमुखी विकास में नहीं रहेगी कोई कमी

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार जीत की हैट्रिक लगाने वाले नवनिर्वाचित सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने अपनी जीत पर फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र की देवतुल्य मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उन पर जो विश्वास जताया है, इसके लिए वह सदैव उनके ऋणी रहेंगे और एक लायक बेटे की तरह फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए कोई कोर कसर बाकि नहीं छोड़ेंगे और चुनाव प्रचार के दौरान जनता से जो विकास के वायदे किए हैं, उन्हें जल्द पूरा करके फरीदाबाद को देश के मानचित्र पर नंबर वन बनाने का काम करेंगे।

गुर्जर ने कहा कि देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनेगी और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि विकास का जो विजन नरेंद्र मोदी जी ने दस सालों के दौरान जनता के समक्ष रखा था, लोगों ने उस विजन पर अपने विश्वास की मोहर लगाई है और मुझे लगातार तीसरी बाद देश की सबसे बड़ी पंचायत में भेजकर नरेंद्र मोदी जी के हाथों को मजबुत करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र का समुचित विकास करवाना उनका एकमात्र लक्ष्य है और अपने इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह भरसक प्रयास करेंगे। श्री गुर्जर ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जिस प्रकार से लोगों का उन्हें समर्थन मिल रहा था, उससे वह आश्वस्त थे कि जनता तीसरी बार उन्हें ही विजयी बनाएगी और अब वह सभी को साथ लेकर फरीदाबाद को विकास की नई बुलंदियों तक ले जाने का काम करेंगे। वहीं कृष्णपाल गुर्जर की जीत की जानकारी मिलते ही सेक्टर-28 स्थित उनके कार्यालय पर समर्थकों ने ढोल नगाड़ों, आतिशबाजी के साथ जमकर जश्न मनाया और लड्डू बांटकर इस जीत को ऐतिहासिक बताया। इस दौरान कार्यकताओं ने हृभाजपा पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, कृष्णपाल गुर्जर जिंदाबादहृ के गगनचुंबी नारे लगाकर पूरे माहौल को भाजपामय कर दिया। नवनिर्वाचित सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने भी स्वयं कार्यकताओं को गले लगकर इस जीत की बधाई दी और उनका हौंसला बढ़ाया। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रुप से भाजपा लोकसभा संयोजक अजय गौड़ भी मौजूद थे। श्री गौड़ ने भी कृष्णपाल गुर्जर की अप्रत्याशित जीत पर क्षेत्र के मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में अपनी आस्था जताते हुए श्री गुर्जर को भारी मतों से विजयी बनाकर तीसरी बाद संसद में भेजने का काम किया है। उन्होंने कहा कि विकास का जो पहिया पिछले दस सालों से चल रहा था, वह आगे भी जारी रहेगा और फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र का समुचित विकास करवाया जाएगा।

आज का मौसम

तापमान °	
ज्यादा	43°
कम	34°

हंसना जरूरी है!

बंता- तुम खाली पेट होने पर कितने केले खा सकते हो?
संता (कुछ पल सोचकर कहा)- मैं 6 केले खा सकता हूँ।
बंता ने हँसते हुए जवाब दिया- गलत जवाब दोस्त, पहला केला खा लेने के बाद तुम्हारा पेट खाली कहां रहेगा !?
इसलिए खाली पेट होने पर तुम केवल एक ही केला खा सकते हो।
संता घर पहुंचा और जाते ही बीवी से सवाल किया तुम खाली पेट होने पर कितने केले खा सकती हो?
बीवी- मैं 4 केले खा सकती हूँ।
संता (निराश स्वर में बोला)- अगर 6 कहती तो एक मस्त का सुनाता तुझे

बीजेपी की जीत पर लड्डू बांटकर जताई खुशी

समाचार गेट/एजेंसी

फरीदाबाद। बीजेपी प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर की प्रचंड जीत पर बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री नरेंद्र जैन ने ओल्ड फरीदाबाद बाजार में लड्डू बांट जीत की खुशी मनाई।

उन्होंने कहा कि कृष्णपाल ने लगातार तीसरी बार फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। बीजेपी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष शोभित अरोड़ा ने कहा सभी कार्यकर्ताओं की जीत है और आने वाले हरियाणा के विधानसभा में भी भाजपा अपनी प्रचंड जीत से सरकार बनाएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ बीजेपी नेता राजेश अरोड़ा, ओल्ड फरीदाबाद मार्केट प्रधान राजपाल, गौरव सिंघल और युवा मोर्चा के सभी कार्यकर्ता मौजूद थे।

धर्मबीर सिंह की जीत पर पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ जताई खुशी

समाचार गेट/सुनिल दीक्षित

कनीना। महेंद्रगढ भिवानी लोकसभा चुनाव क्षेत से कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी से मुकाबले के बीच भाजपा प्रत्याशी चौ धर्मबीर सिंह की जीत पर पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ खुशी साझा की। ढोल नगाड़ों के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बना हुआ था। पार्टी कार्यालय सहित पार्टी पदाधिकारियों ने जगह-जगह मिठाई बांटकर खुशी जताई गई। संतोष यादव ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को दिया है।

फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से कृष्णपाल गुर्जर 1,72,914 मतों के बड़े अंतर से चुनाव जीते

विसक्षेत्र	कृष्णपाल गुर्जर भाजपा	महेंद्र प्रताप सिंह कांग्रेस	लीड
हथीन	52892	104616	-51724
होडल	61798	62364	-566
पलवल	94809	69865	+24944
पृथला	66,805	74095	+7290
एनआइटी	108500	66810	+41690
बड़खल	98629	64355	+34274
बल्लभगढ़	90941	45166	+45775
फरीदाबाद	86853	50960	+35893
तिगांव	126105	76677	+49428
पोस्टल बैलेट	1237	747	+490
कुल वोट	788569	615655	+172914

जोगिया
BY BIJENDER BANSAL

HARYANA LOKSABHA ELECTION RESULT 2024

संपादकीय

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव परिणाम ने क्या संदेश दिया है

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

पूर्वोत्तर के दो राज्यों- अरुणाचल प्रदेश और सिक्कि म के विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आ गये हैं। दोनों ही राज्यों में जनता ने वर्तमान सरकार को ही दोबारा सेवा का अवसर दिया है। हालांकि यह दोनों परिणाम बहुत बड़े संदेश भी देकर गये हैं।

पहला संदेश यह है कि भाजपा ने पूर्वोत्तर में अपनी जड़ें गहरें तक जमा ली हैं। दूसरा संदेश यह है कि कांग्रेस यहां खत्म हो चुकी है। तीसरा संदेश यह है कि क्षेत्रीय दल पूर्वोत्तर में व्यापक जनाधार रखते हैं।

अरुणाचल प्रदेश में प्रभासाक्षी की चुनाव यात्रा के दौरान हमने देखा था कि वहां की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अटूट विश्वास रखती है।

लोगों ने हमसे बातचीत में कहा था कि जिस तरह पिछले दस सालों में अरुणाचल प्रदेश को विकास की तमाम सौगातें मिली हैं, जिस तरह यहां सड़क संपर्क को लेकर तेजी से काम हुआ है और सुदूर इलाकों तथा देश के अंतिम गांवों में भी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया गया है उसके चलते प्रदेश की जनता भाजपा के साथ खड़ी है।

इसके अलावा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जिस तरह युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए तमाम तरह के वादे किये थे

और इस राज्य में पर्यटन को नये पंख देने के लिए जो रूपरेखा जनता के बीच रखी थी उसका भी प्रभाव चुनावों में देखने को मिल रहा था।

यहां भाजपा की लोकप्रियता का आलम यह था

कि चुनावों की घोषणा के साथ ही पार्टी ने 10 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली थी।

चुनावों के दौरान ईटानगर में भाजपा के मुख्यालय से लेकर जिलों के कार्यालयों तक में हमें जहां गहमागहमी देखने को मिली वहीं कांग्रेस के दफ्तरों में सन्नाटा पसरा हुआ था।

हमने पाया था

कि अरुणाचल में मुख्यमंत्री पेमा खांडू की लोकप्रियता भी काफी थी और उनके कामकाज को लोग पसंद करते हैं।

यहां चुनावों के दौरान भाजपा ने कांग्रेस मुक्त अरुणाचल के नाम से जो अभियान चलाया था उसको भी काफी सफलता मिली थी क्योंकि जहां-जहां से यह यात्रा गुजरती थी

वहां-वहां के कांग्रेसी नेता या कार्यकर्ता भाजपा का दामन थाम रहे थे।

कांग्रेस को अरुणाचल प्रदेश में जो एक विधानसभा सीट मिली है वह दर्शा रही है कि पार्टी यहां खत्म हो चुकी है।

यह स्थिति तब है जब हाल ही में अपनी भारत जोड़ो यात्रा लेकर राहुल गांधी ईटानगर पहुँचे थे और भाजपा पर तमाम प्रहार किये थे।

वहीं सिक्कि म की बात करें तो यहां जब हमने लोगों से बातचीत की थी तो लोगों ने साफ कर दिया था

कि हमें भाजपा या कांग्रेस से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन हम चाहते हैं कि यहां की सरकार कोई क्षेत्रीय दल ही संभाले। लोगों ने कहा था

कि यदि भाजपा या कांग्रेस यहां सत्ता में आ गयीं तो वह हमारे खूबसूरत राज्य को शिमला, दार्जिलिंग जैसा भीड़भाड़ वाला इलाका बना देंगी।

लोगों ने कहा कि भाजपा या कांग्रेस के यहां सत्ता में आने पर दिल्ली के लोग आकर गंगटोक में होटल ही होटल बना देंगे और यहां आने वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने पर हमारा राज्य भी वायु प्रदूषण की समस्या झेलने लगेगा।

लोगों ने कहा था कि इस शांत राज्य की क्या जरूरतें हैं इस बात को क्षेत्रीय दल भलीभांति समझते हैं

इसलिए हम उनको ही वोट देंगे। लोगों ने कहा कि 25 साल तक हमने पवन कुमार चामलिंग को मौका दिया और अब युवा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग अच्छा काम कर रहे हैं तो उन्हें ही अवसर देना चाहिए।

लोगों ने यह भी कहा था

कि भाजपा या कांग्रेस की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री दिल्ली के निर्देश पर काम करेगा लेकिन क्षेत्रीय दल का मुख्यमंत्री बनने पर वह यहां की जनता के

हिसाब से काम करेगा।

बहरहाल, यह दोनों चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं

कि स्थानीय जनता विकास को और अपने राज्य की तरक्की को तवज्जो देती है।

साथ ही दोनों राज्य की जनता ने खिचड़ी सरकार बनाने से परहेज कर स्पष्ट और प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनाकर अपनी विद्वता का भी परिचय दिया है।

लॉन्च से पहले ऑल्ट्रोज की देखें सारी खूबियां और संभावित कीमत

टाटा ऑल्ट्रोज रेसर की 21000 रुपये टोकन अमाउंट पर भारत में बुकिंग शुरू हो गई है।

समाचार गेट/एजेंसी

जो लोग बीते करीब डेढ़ साल से इस देसी प्रीमियम हैचबैक का इंतजार कर रहे थे, उन्हें अब इसे जल्द ही घर लाने का मौका मिलेगा। टाटा ऑल्ट्रोज रेसर को आगामी 7 जून को लॉन्च किया जाना है और इससे पहले काफी सारी जानकारियां सामने आ गई हैं, जिनमें ये भी है कि इस प्रीमियम हैचबैक को सिर्फ मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ पेश किया जा सकता है और इसके 3 वेरिएंट बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी। बाद बाकी इसमें क्या कुछ खूबियां लुक-डिजाइन और फीचर्स के स्तर पर हैं, आइए एक-एक करके आपको बताते हैं।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक टाटा मोटर्स की परफॉर्मेंस कैलिब्रेटेड इस प्रीमियम हैचबैक को जैसे 3 वेरिएंट में पेश किया जा सकता है। बाद बाकी इसमें 3 कलर ऑप्शन मिलेंगे, जो कि एटॉमिक ऑरेंज, अवेन्यू वाइट और प्योर ग्रे के रूप में हैं।

लुक-डिजाइन और फीचर्स

टाटा ऑल्ट्रोज रेसर का लुक अग्रेसिव और डिजाइन स्पोर्टी है और इसमें जगह-जगह रेसर बैजिंग दी गई है। इसमें आकर्षक ग्राफिक्स, नया बंपर, 17 इंच के अलॉय व्हील, ब्लैक रूफ और ओआरवीएमएस, स्पोर्टी इंटीरियर, ऑल-ब्लैक डैशबोर्ड, एंबिएंट लाइटिंग डुअल टोन सीट्स, 10.25 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, सनरूफ, डिजटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, वायरलेस चार्जर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल, एयर प्यूरिफायर, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स समेत और भी स्टैंडर्ड फीचर्स के साथ ही 6 एयरबैग्स, 360 डिग्री कैमरा, ब्लाइंट स्पॉट मॉनिटर्स, ईबीडी के साथ एबीएस समेत और भी सेफ्टी फीचर्स हैं।

इंजन-पावर और ट्रांसमिशन

टाटा ऑल्ट्रोज रेसर को नेक्सॉन एसयूवी वाले 1.2 लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ लॉन्च किया जाएगा। यह इंजन 118 बीएचपी की मैक्सिमम पावर और 170 न्यूटन मीटर का पिक टॉर्क जेनरेट करता है। खबर आ रही है कि कि ऑल्ट्रोज रेसर में 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन विकल्प ही मिल सकता है। हालांकि, संभावना जताई जा रही है कि ऑल्ट्रोज रेसर में ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन भी मिल सकता है। हालांकि, ये लॉन्च के दिन ही पता चल पाएगा।

टाटा ऑल्ट्रोज रेसर को 8 लाख रुपये तक की शुरुआती एक्स शोरूम प्राइस के साथ लॉन्च किया जा सकता है और जून के आखिर तक इसकी डिलीवरी शुरू की जा सकती है।

ऑल्ट्रोज रेसर का भारतीय बाजार में मुख्य रूप से हुंडई आई20 से मुकाबला है। बाद बाकी यह नई मारुति सुजुकी स्विफ्ट के साथ बलेनो और टोयोटा ग्लैंजा के ग्राहकों को भी आकर्षित कर सकती है।

बिहार में आने वाली है कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर वैकेंसी

समाचार गेट/एजेंसी

बिहार स्वास्थ्य विभाग में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों के पदों पर जल्द ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। संभावित है कि इस महीने के आखिरी तक इस भर्ती की अधिसूचना जारी कर दी जाए। ऐसे में जो भी उम्मीदवार इस भर्ती का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे अब आखिरकार उनका इंतजार खत्म होने वाला है। इस वैकेंसी में रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरा जाएगा। वहीं पदों की संख्या करीब साढ़े चार हजार हो सकती है।कितनी होगी पदों की संख्याकम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर की इस भर्ती के जरिए बिहार हेल्थ सब सेंटर और हेल्थ वेलनेस सेंटर में रिक्त पदों को भरा जाएगा। इससे पहले कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के 4500 पदों पर जो वैकेंसी निकाली गई थी, उसे रद्द कर दिया गया था क्योंकि उसमें एक भी पद सामान्य वर्ग के लिए नहीं था। इसीलिए अब इसी भर्ती के लिए दोबारा से रिक्त पदों को देखते हुए फाइनली वैकेंसी निकाली जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह भर्ती इसी महीने आ सकती है। ऐसे में जो भी उम्मीदवार कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के लिए तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए यह सरकारी नौकरी पाने का बढ़िया मौका होगा।क्या है योग्यताकम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर की इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। जिसमें आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास बीएससी निर्सग और कम्युनिटी हेल्थ में सिर्टिफिकेट होना जरूरी होगा। गौरतलब है कि पिछली बार जब इसी भर्ती की अधिसूचना जारी की गई थी तो इसमें ईडब्ल्यूएस के 223 पद, ओबीसी के 1676 पद और 1509 पद अनुसूचित जाति के थे। हालांकि इस बार इसमें जरूरी बदलाव होने के बाद इसे जारी किया जाएगा। इस भर्ती में आयुसीमा की बात करें तो सभी पदों के लिए न्यूनतम उम्र 21 वर्ष और अधिकतम 42 से 47 वर्ष के बीच होगी। इसमें आरक्षित वर्ग के लिए छूट का प्रावधान भी होगा। भर्ती के बारे में अन्य अपडेट जल्द ही आपको सूचित की जाएगी।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए टेस्ट क्यों जरूरी है, जानें क्या है फायदा

समाचार गेट/एजेंसी

ड्राइविंग टेस्ट देना ऐसी प्रक्रिया है, जो कि यह सुनिश्चित करती है कि आप सही तरीके से सुरक्षित रूप से और कानून के अनुसार कोई भी वाहन चलाने में सक्षम हैं कि नहीं? दरअसल, जो भी लोग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना चाहते हैं, उनके लिए जरूरी है कि वे टेस्ट दें, जिनमें ड्राइविंग स्कि ल से जुड़े सवाल होंगे। अब आप जान लें कि ड्राइविंग टेस्ट आखिरकार क्यों जरूरी है और इसके क्या मायने होते हैं। इन सबसे पहले जान लें कि आखिरकार ड्राइविंग लाइसेंस के लिए टेस्ट का फॉर्मेट क्या है? यह परीक्षा आमतौर पर दो हिस्सों में होती है।

1. लिखित परीक्षा

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए ड्राइविंग टेस्ट के पहले हिस्से में लिखित परीक्षा होती है, जिसमें सड़क के नियमों यानी ट्रैफिक रूल्स, यातायात संकेतों और सेफ ड्राइविंग बिहेवियर के बारे में बहुविकल्पीय सवाल शामिल होते हैं। इसमें आपको पास होने के लिए न्यूनतम अंक प्राप्त करने होंगे।

2. व्यावहारिक परीक्षा

ड्राइविंग टेस्ट में प्रैक्टिकल एग्जाम में एक अधिकारी के साथ ड्राइविंग टेस्ट शामिल होता है।इसमें आपको अलग-अलग ड्राइविंग स्कि ल्स दिखाना होगा, जिसमें सीधी रेखा में गाड़ी चलाना, मुड़ना, पार्कि ंग, रिवर्स ड्राइविंग, ट्रैफिक लाइट का पालन करना, संकेतों का इस्तेमाल करना, अन्य वाहनों के साथ सुरक्षित दूरी बनाए रखना जैसी बातें शामिल हैं।

ड्राइविंग टेस्ट के मायने

भारत में ड्राइविंग टेस्ट मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत आयोजित किए जाते हैं। परीक्षा के लिए आवेदन करने के लिए आपको 18 साल या उससे ज्यादा उम्र का होना चाहिए और आपके पास आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र जैसा वैध पहचान प्रमाण होना चाहिए।

ड्राइविंग टेस्ट पास करना है तो इन बातों का रखें ध्यान

रिटेन एग्जाम के लिए अच्छी तरह से स्टडी करें। वहीं, प्रैक्टिकल एग्जाम से पहले खूब अभ्यास करें। अधिकारी के निर्देशों का पालन जरूर करें और सुरक्षित रूप से और कानून के अनुसार ड्राइव करें।

आप अपने राज्य के परिवहन विभाग की वेबसाइट पर ड्राइविंग टेस्ट के बारे में ज्यादा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

आप ड्राइविंग स्कूल में भी एडमिशन ले सकते हैं, जो आपको ड्राइविंग टेस्ट के लिए तैयार करने में मदद कर सकता है।

चुनाव आयोग में नौकरी कैसे मिलती है?

समाचार गेट/एजेंसी

18वें लोकसभा चुनाव के नतीजे आज यानी 4 जून को सामने आ रहे हैं। लगातार 44 दिनों तक मतदान के बाद आज साफ हो जाएगा कि केंद्र में किसकी सरकार बनने वाली है? वोटिंग और चुनावी गठजोड़ के बीच चुनाव आयोग भी इन दिनों काफी ज्यादा चर्चा में रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चुनाव आयोग में नौकरी कैसे मिलती है? इसकी भर्ती कहां निकलती हैं? और इसमें कैसे अप्लाई करना होता है? इन सवालों के बीच आपके मन में एक सवाल और आता होगा कि चुनाव आयुक्त को महीने का कितना वेतन मिलता है? इस आर्टिकल में सभी सवालों के बारे में विस्तार से बताया गया है।

कैसे होता है मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन

जिसमें एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो निर्वाचन आयुक्त होते हैं।

वर्तमान में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार हैं। उन्होंने 25वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में 15 मई 2022 को पदभार संभाला। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए योग्य अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया जाता है। सर्च कमेटी इसमें से पांच नामों का सेलेक्ट करके आगे चयन समिति को भेजती है। इसके बाद चयन समिति जिसमें प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय मंत्री और एक विपक्ष के नेता शामिल होते हैं, वो मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करती है। चयन के बाद अगर मुख्य चुनाव आयुक्त के वेतन की बात करें तो यह सुप्रीम कोर्ट के जज के बराबर होता है।

© BCCL 2024. ALL RIGHTS RESERVED.

चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी 1950 को हुई थी। इस दिन को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है। चुनाव आयोग तीन सदस्यीय निकाय है,

इन पदों पर भी होती है भिर्तयां

चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त के अलावा कई अन्य पदों के लिए समय-समय पर भर्ती निकाली जाती है। जिसमें स्टेनोग्राफर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, एमटीएस से लेकर ड्राइवर, जूनियर सचिवालय सहायक, रिसर्च असिस्टेंट जैसे अन्य पद शामिल होते हैं।

इन पदों पर 20 हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये प्रति माह सैलरी का भुगतान किया जाता है।

हालांकि यह थोड़ा कम ज्यादा भी हो सकता है। बता दें कि इन सभी पदों पर स्टाफ सेलेक्शन कमीशन लिखित परीक्षा के जरिए भर्ती करता है।

इसके अलावा कुछ भिर्तयां कंसल्टेंट और डेपुटेशन के आधार पर भी की जाती हैं।

सरकार बनने पर भाजपा नेता चौधरी ज़ाकिर हुसैन के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने नूँह में लड्डू बाँटकर खुशियाँ मनाईं

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूँह। राव इंद्रजीत सिंह की ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं ने नूँह में ढोल-नगाड़ों व आतिशबाजी चलाकर खुशियाँ मनाईप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरे कार्यकाल में भारत विकास के नए आयाम स्थापित करेगाः ज़ाकिर हुसैन मंगलवार को लोकसभा आम चुनाव का परिणाम आ गया।

लोकसभा चुनावों में एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की पूर्ण बहुमत से सरकार बन गई।

गुरु ग्राम लोकसभा से राव इंद्रजीत सिंह ने 73675 वोटों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

नूँह में भाजपा कार्यालय व भाजपा के दिग्गज नेता चौधरी ज़ाकिर हुसैन पूर्व विधायक के निवास पर पूरे दिन भाजपा कार्यकर्ताओं का ताँता लगा रहा।

जैसे ही शाम को परिणाम आए और तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष नरेन्द्र पटेल व भाजपा नेता चौधरी ज़ाकिर हुसैन के नेतृत्व में एक-दूसरे को मिठाईयाँ खिलाकर खुशियाँ मनाई।

भाजपा कार्यालय के बाद पूर्व विधायक ज़ाकिर हुसैन के निवास पर ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी व पार्टी के गगनचुंबी नारों के साथ भाजपा सरकार बनने व गुरुग्राम से भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह को ऐतिहासिक जीत दर्ज करने की खुशियाँ मनाई।

इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी नसीमा हुसैन एडवोकेट भी साथ रहीं।

चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि भारत देश एक बार फिर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

एक बार फिर से देश की जनता ने एनडीए की सरकार पर अपना विश्वास जताया है।

हुसैन ने राव इंद्रजीत सिंह को भी ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर मुबारकबाद दी।

उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत व प्रयासों का ही परिणाम है जो देश में एक बार फिर से मोदी सरकार बनी है।

फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्ण पाल गुर्जर ने इस विजय पर जनता का आभार प्रकट किया

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र फरीदाबाद की जनता का आभार प्रकट है जिन्होंने तीसरी बार भाजपा पार्टी और उनपर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वास सुशासन और विकास के प्रति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढेगा। फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्र से भारी बहुमत से जीत दिलाने के लिए सभी देवतुल्य मतदाताओं का धन्यवाद व्यक्त करते है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में भाजपा अच्छा प्रदर्शन कर रही है। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार बना रहे है।

नूंह से राज बब्बर और राव इंद्रजीत को मिली वोट

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूँह। हरियाणा की गुड़गांव लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह ने लगातार चौथी जीत हासिल की है। राव इंद्रजीत सिंह ने कांग्रेस प्रत्याशी और फिल्म स्टार राज बब्बर को करीब 73675 हजार से ज्यादा वोटों से मात दी है। सुबह 8 बजे शुरू हुई काउंटिंग के दौरान शाम होते-होते कई बार इस सीट पर उलटफेर हुआ सुबह काउंटिंग शुरू होने के लगातार साढ़े 6 घंटे बाद तक कांग्रेस के प्रत्याशी राज बब्बर लगातार बढ़त बनाए रहे, लेकिन जब गुड़गांव, बादशाहपुर सीट की काउंटिंग के रुझान आने लगे तो बाजी पलटती चली गई। इन दोनों ही सीटों से राव इंद्रजीत सिंह को काफी बड़े अंतर से वोट मिले। वहीं राव इंद्रजीत सिंह को नूंह की तीनों विधानसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। नूंह जिले से भाजपा के राव इंद्रजीत सिंह को कुल 71849 वोट मिली तो कांग्रेस के राज बब्बर को 330373 वोट मिली। ऐसे में नूंह जिले से राज बब्बर को 258524 की लीड मिली। वहीं जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो नूंह से कांग्रेस के राज बब्बर को 98070 वोट जबकि भाजपा के राव इंद्रजीत सिंह को 30658 वोट मिली। पुन्हाना से राज बब्बर को 108645 वोट जबकि राव इंद्रजीत सिंह को 16181 वोट मिली तो फिरोजपुर झिरका से राज बब्बर को 123658 वोट जबकि राव इंद्रजीत सिंह को 25100 वोट मिली। वहीं इनके अलावा जेजेपी प्रत्याशी राहुल यादव फाजिलपुरिया को नूंह जिले से कुल 2287 वोट मिली तो इनेलो प्रत्याशी हाजी सोहराब खान को कुल 2864 वोट मिली। वहीं नोटा 664 रही।

भाजपा की जीत का जश्न मनाते हुए जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल और कार्यकर्ता

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूँह। मंगलवार को गुड़गांव लोकसभा सीट से उम्मीदवार राव इंद्रजीत वह कांग्रेस पार्टी से लोकसभा उम्मीदवार राज बब्बर के बीच चुनाव को लेकर जहां बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे वही एग्जिट पोल भाजपा के कार्यकर्ताओं की तरफ से जीत का मार्जिन ढाई लाख से अधिक वोटों का बताया जा रहा था तथा एक तरफ जीत के नारे लगाए जा रहे थे वही चुनाव मतगणना ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को निराशा की तरफ धकेल दिया जैसे-जैसे चुनाव परिणाम सामने आते गए वैसे-वैसे कांग्रेस का प्रत्याशी उम्मीदवार आगे बढ़ता हुआ और लीड लेता हुआ नजर आया यह नजारा सुबह 8:00 बजे से लेकर 2:00 बजे तक देखने को मिला जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर देखने को मिली और दोपहर तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के चेहरे मुस्कुराते रहे लेकिन एक बार फिर से राव इंद्रजीत का जादू चला और उन्होंने फिर से अपनी इस बढ़त को कायम रखा आपको बता दें कि जिला मेवात की तीनों विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस और भाजपा उम्मीदवार को वोट इस प्रकार मिले1-पुनहाना विस कांग्रेस के राज बब्बर 108645भाजपा के राव इंद्रजीत सिंह 161812- नूंह विस राज बब्बर 98070राव इंद्रजीत सिंह 306583-फिरोजपुर झिरका विस राज बब्बर 123658राव इंद्रजीत सिंह 25100कुल-राज बब्बर 330373राव इंद्रजीत सिंह 71939 इस प्रकार जिला नूंह से कांग्रेस के उम्मीदवार राज बब्बर को 258434 वोटो की लीड लेते हुए चले लेकिन जैसे-जैसे बादशाहपुर, मानेसर, रेवाड़ी, बावल, सोहना के क्षेत्र में मतदान गिनती आगे बढ़ी वैसे-वैसे कांग्रेस उम्मीदवार राज बब्बर पिछड़ते चले गए और उन्हें हार का सामना करना पड़ा जैसे ही भाजपा के उम्मीदवार की जीत लगभग निश्चित हुई वैसे ही भाजपा कार्यालय नूंह पर नरेंद्र पटेल जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर अपनी जीत का जश्न मनाया एक बार फिर से भाजपा सरकार को बहुमत मिलता देख एक बार फिर से मोदी सरकार के नारों से भाजपा कार्यालय गूंज उठा लेकिन देखने वाली बात यह रही जहां भाजपा सरकार ने मेवात की विकास के लिए अनेक प्रकार की विकासशील योजनाएं बनाई और उन्हें धरातल पर उतार लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठने के लिए तरह-तरह की विकास कार्य मेवात के लिए किया लेकिन उसके स्वरूप

भाजपा को वोट ना मिलने की टीस भाजपा के कार्यकर्ताओं में देखी गई लेकिन जीत थोड़ी ही वोटो से रही लेकिन जीत तो जीत होती है

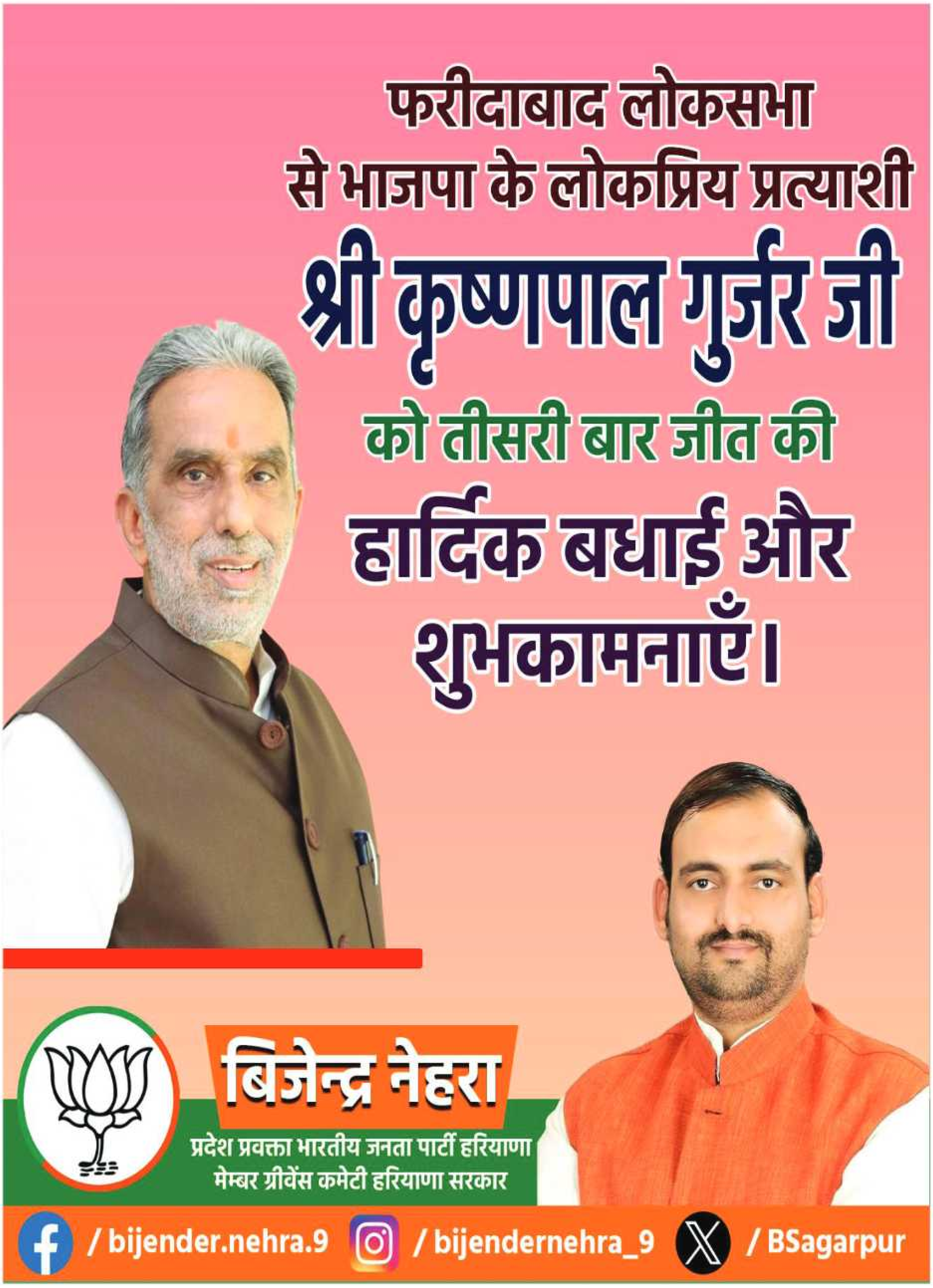

स्कूली शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

समाचार गेट/ भावना कौशिश

नई दिल्ली। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा विभाग ने आज नई दिल्ली में डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म, राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के लिए एक संस्थागत ढांचा बनाने को लेकर उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के. संजय मूर्ति, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, संयुक्त सचिव श्रीमती अर्चना शर्मा अवस्थी और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में के. संजय मूर्ति ने बच्चों के जीवन में गैर-शैक्षणकि पुस्तकों के महत्व को रेखांकित किया क्योंकि इससे उन्हें भविष्य में अपनी पढ़ाई का विषय चुनने में मदद मिलती है। उन्होंने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से आग्रह किया कि वह शैक्षणकि संस्थानों के अध्यापकों को अच्छी पुस्तकें लिखने के लिए आमंत्रित करें जिन्हें राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय में शामिल किया जा सके।संजय कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुस्तकें पढ़ने की आदत विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय पाठकों की भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा, जिससे उन्हें पुस्तकें आसानी से मिल सकेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय से कई राज्यों में पुस्तकालय की कमी की समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कंटेंट एनरिचमेंट कमेटी की भूमिका पर भी जोर दिया जो राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के प्लेटफॉर्म में शामिल की जाने वाली पुस्तकों पर निर्णय लेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले 2-3 वर्षों में 100 से अधिक भाषाओं में 10000 से अधिक पुस्तकें होंगी।

श्रीमती अवस्थी ने राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय में गैर-शैक्षणकि शीर्षकों को शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने यह भी बताया कि अंग्रेजी सहित 23 भाषाओं में 1000 से अधिक पुस्तकें पहले ही ई-पुस्तकालय में जोड़ी जा चुकी हैं।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय प्रोजेक्ट डिजिटल खाई को पाटने और सभी के लिए समावेशी माहौल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस प्रकार पुस्तकें कभी भी और कहीं भी पढ़ने के लिए उपलब्ध होंगी। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके, स्कूली शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने हेतु सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से एक सहकारी प्रयास की शुरुआत होगी, जो देश भर में गुणवत्तापूर्ण गैर-शैक्षणकि पठन सामग्री की उपलब्धता को बदलने की क्षमता रखेगा ताकि देश के युवाओं में पढ़ने की बेहतर आदतों का प्रचार किया जा सके।"भारतीय युवाओं में पढ़ने की आदतों की फिर से खोज" विषय पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें भारतीय प्रकाशन जगत के विशेषज्ञों ने शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों, स्कूल के प्रधानाचार्यों, प्रकाशकों, विद्वानों, मीडिया के सदस्यों और अन्य लोगों के साथ अपने व्यावहारिक विचार साझा किए।

क्या अब नीतीश कुमार पलट देंगे बीजेपी की सियासत

समाचार गेट/एजेंसी

पटनाः तेजस्वी यादव की भविष्यवाणी सच होने वाली है। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर आरजेडी नेता लगातार कह रहे थे कि बिहार चौंकाने वाला परिणाम देगा। हालांकि अभी नतीजे घोषित नहीं हुए हैं, इंडी अलायंस की स्थिति में सुधार होता दिख रहा है। बिहार में सातवें चरण का चुनाव संपन्न होने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने नीतीश कुमार को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा था कि 4 जून के बाद नीतीश बिहार में कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं। तेजस्वी का इशारा था कि वे एक बार फिर पलटी मार सकते हैं।क्या था तेजस्वी यादव का दावा?तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि नीतीश कुमार 4 जून के बाद बिहार में कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने नीतीश को इंडिया ब्लॉक में शामिल होने का न्योता भी दिया था। लोकसभा चुनाव 2024 चुनाव में बीजेपी की कमजोर स्थिति को देखते हुए कयास लगाए जा रहे हैं कि नीतीश वाकई कोई रणनीतिक कदम उठा सकते हैं। दरअसल, नीतीश कुमार सियासी पाला बदलने में माहिर माने जाते हैं। 2013 से लेकर 2017 तक नीतीश कुमार चार बार पाला बदल चुके हैं।सच होगी तेजस्वी की भविष्यवाणी?बता दें कि 2013 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बने तो वे एनडीए से बाहर हो गए। 2017 में वे फिर से एनडीए में शामिल हो गए, लेकिन 2022 में फिर से आरजेडी में चले गए। 17 महीने बाद वे फिर से एनडीए में शामिल हो गए। उनके सियासी ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए सवाल उठता है कि क्या वे भाजपा की मौजूदा कमजोरी का फायदा उठाएंगे और पलटी मारकर इंडी अलायंस के साथ चले जाएंगे? अगर नीतीश कुमार फिर से पाला बदलते हैं तो यह तेजस्वी की भविष्यवाणियों को सही साबित कर देगा।

धू-धू कर जल उठे ताज एक्सप्रेस के तीन कोच

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के सरिता विहार में ताज एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को रवाना किया गया है। फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग ने बताया कि 4:24 पर हरकेश नगर से सूचना मिली थी। मौके पर छह गाड़ियां भेजी गई है जो आग पर काबू पाने की कोशिश में लगी हुई हैं।

तीन कोच में लगी आग

पुलिस ने बताया कि ताज एक्सप्रेस की तीन कोच में लगी थी। आग लगते ही तुरंत ट्रेन को रोक दिया गया और बोगी में सवार सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। जिस वक्त ट्रेन में आग लगी वो उस समय अपोलो हॉस्पिटल के पास रेलवे ट्रैक पर थी।

आग को काफी हद तक बुझा लिया गया है आगे की जांच रेलवे द्वारा की जा रही है।

नहीं हुआ कोई हताहत

ताज एक्सप्रेस में आग की पुष्टि करते हुए डीसीपी रेलवे केपीएस मल्होत्रा ने कहा की आग की इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की अभी सूचना नहीं है मौके पर पुलिस की टीम पहुंची हुई है।

घोसी लोकसभा सीट पर राजीव राय पहले नंबर पर

समाचार गेट/एजेंसी

लोकसभा चुनाव-2024 के नतीजों का दिन है। घोसी संसदीय सीट से कौन जीत रहा है, उसके पल-पल के अपडेट के लिए आप इस पेज पर लगातार बने रह सकते हैं। आपको बता दें, उत्तर प्रदेश की घोसी लोकसभा सीट पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला। चुनाव में बहुजन समाज पार्टी जहां अपनी जीत बरकरार रखने की कोशिश में है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी घटक सुभासपा के प्रत्याशी अरविंद राजभर यहां पर छड़ी के सहारे नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने की कोशिश में है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर कांग्रेस के हौसले भी बुलंद हैं। इस सीट पर बहुजन समाज पार्टी की भी अच्छी पकड़ रही है। पिछली बार सपा के साथ गठबंधन के तहत बसपा ने ये सीट भाजपा से जीती थी, और अतुल कुमार राय यहां से सांसद चुने गए थे। इस बार बसपा ने बालकृष्ण चौहान को प्रत्याशी बनाया है। वहीं भाजपा ने अपने सहयोगी घटक सुभासपा से अरविंद राजभर को मैदान में उतारा है। इंडिया गठबंधन ने यहां पुराने क्षत्रप और सपा के राष्ट्रीय सचिव और प्रवक्ता राजीव राय को मैदान में उतारा है। इस लोकसभा सीट पर अंतिम चरण में 1 जून को मतदान हुआ।

01.15 बजेः घोसी लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन यानी सपा प्रत्याशी राजीव राय 23 हजार वोट से आगे चल रहे हैं। 1.12 हजार वोट के साथ पहले नंबर पर हैं। वहीं बीजेपी उम्मीदवार अरविंद राजभर 89 हजार वोट के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

घोसी लोकसभा सीट पर अहम हैं

मुस्लिम और दलित आबादी

घोसी लोकसभा मुस्लिम और दलित बहुल सीट मानी जाती है, जहां दलित मतदाता भी किसी प्रत्याशी की जीत हार तय करने में सक्षम हैं। घोसी लोकसभा में करीब 20 लाख 55 हजार 880 मतदाता हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में यही देखने को मिला भी था। उस चुनाव में भाजपा मजबूत मानी जा रही थी, लेकिन सपा और बसपा गठबंधन हुआ और मुस्लिम-दलित वोट के फैक्टर ने भाजपा को चित कर दिया। सपा, बसपा और रालोद गठबंधन के समर्थन से अतुल कुमार राय (5,73,829 मत) ने 2019 के चुनाव में भाजपा के हरिनारायण राजभर (4,51,261 मत) को कड़े मुकाबले के बाद मात दे दी। वहीं वर्तमान बसपा प्रत्याशी बालकृष्ण चौहान ने यहां कांग्रेस के तरफ से ताल ठोककर मात्र 23,812 वोटों पर ही सिमट गए थे। वहीं सुभासपा प्रत्याशी महेंद्र राजभर ने यहां 39,860 वोट प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया था।घोसी में कब कौन जीता?घोसी लोकसभा सीट को पूर्वांचल में कम्युनिस्ट का गढ़ कहा जाता है इस संसदीय सीट पर कम्युनिस्ट पार्टी का लंबे समय तक कब्जा रहा है। वहीं कांग्रेस को यहां से 4 बार जीत नसीब हुई है। बसपा को घोसी लोकसभा सीट से 3 बार और सपा ने सिर्फ 1 बार अपना खाता खोला है। जबकि सत्ताशील पार्टी भाजपा भी यहां से मात एक बार 2014 के प्रचंड मोदी लहर में जीती है। 1952 में यहां कांग्रेस से अलगू राय शास्त्री सांसद चुने गए। अलगू राय शास्त्री प्रख्यात देशभक्त थे, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए कई बार जेल की यातनाएं की। 1957 में भी यहां कांग्रेस का कब्जा रहा और उमराव सिंह यहां से सांसद चुने गए।

1962 में यह सीट कम्यूनिस्ट पार्टी के कब्जे में चली गई, और जयबहादुर सिंह यहां से जीतकर दिल्ली पहुंचे। 1969 और 1971 में कम्यूनिस्ट पार्टी के ही बाबू झारखंडे राय जीते।

फिर 1977 में बाबू शिवराम राय जनता दल से खाता खोलने में कामयाब तो रहे लेकिन फिर 1984 में झारखंडे राय ने जीत दर्ज कर फिर से इस सीट पर कम्यूनिस्ट पार्टी का झंडा बुलंद कर दिया।

1984 में पुनः यह सीट कांग्रेस पार्टी के कब्जे में चली गई और राजकुमार राय सांसद चुने गए।

फिर 1989 और 1991 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने कल्पनाथ राय के भरोसे यहां से झंडा बुलंद किया। 1996 में कांग्रेस ने जब कल्पनाथ राय का टिकट काटा तो वो निर्दल ही चुनाव लड़कर दिल्ली पहुंचे।

फिर 1998 में कल्पनाथ राय ने समता पार्टी से जीत दर्ज की।

1999 में बसपा ने यहां पहली बार जीत दर्ज की। बसपा के बालकृष्ण चौहान यहां से चुनाव जीते।

फिर 2004 में सपा ने चंद्रदेव राजभर के सहारे अपना खाता खोला। लेकिन 2009 में बसपा ने दारा सिंह चौहान के भरोसे फिर से यह सीट अपने पाले में कर ली।

बीजेपी नहीं लोकसभा चुनाव में इस पार्टी ने उतारे सबसे ज्यादा कैंडिडेट

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः अठारहवीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में आठ हजार से अधिक उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई है, जिनमें से 16 फीसदी राष्ट्रीय दलों के, छह प्रतिशत उम्मीदवार राज्य स्तरीय दलों के और 47 फीसदी उम्मीदवार निर्दलीय हैं। यह जानकारी 'पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च' की रिपोर्ट में दी गई है। पीआरएस के मुताबिक, इस बार के चुनाव में 543 लोकसभा सीट के लिए मान्यता प्राप्त छह राष्ट्रीय दलों सहित 744 दलों के 8360 उम्मीदवार मैदान में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह 1996 के बाद से

प्रत्याशियों की सबसे अधिक संख्या है। वर्ष 1996 में हुए लोकसभा चुनाव में 13,952 उम्मीदवार मैदान में थे। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में 8039 उम्मीदवारों ने किस्मत आजमाई थी।बीएसपी ने उतारे सबसे ज्यादा कैंडिडेटअठारहवीं लोकसभा के लिए सात चरणों में मतदान कराया गया, जो 19 अप्रैल को शुरू हुआ और एक जून को संपन्न हुआ। मतों की गिनती चार जून को होगी। रिपोर्ट के अनुसार, छह राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त दलों में से एक मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने सबसे अधिक 488 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं। राष्ट्रीय दलों में बीजेपी ने 441, कांग्रेस ने 328, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) ने 52, आम आदमी पार्टी ने 22 और नेशनल पीपुल्स पार्टी ने तीन उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं।कैंडिडेट्स उतारने के मामले में बीजेपी दूसरे नंबरराज्य स्तरीय दलों में समाजवादी पार्टी ने सबसे अधिक 71 उम्मीदवार चुनावी रण में उतारे हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 48 सीट पर अपने प्रत्याशी खड़े किए। एआईएडीएमके ने 36, सीपीआई ने 30, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने 25, आरजेडी ने 25, डीएमके ने 22 प्रत्याशी उतारे हैं। पीआरएस रिपोर्ट के मुताबिक, गैर मान्यता प्राप्त दलों में सोशिलस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) ने सबसे अधिक 150 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इसके बाद पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) का स्थान है, जिसके 79 उम्मीदवार मैदान में हैं।इस बार आठ हजार से अधिक उम्मीदवारों ने आजमाई किस्मतः ■■■रिपोर्ट के मुताबिक, प्रत्येक सीट पर औसत 15 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। हालांकि, प्रत्येक राज्य में सीटवार उम्मीदवारों की संख्या अलग-अलग है। तेलंगाना में प्रत्येक सीट पर सबसे अधिक औसत उम्मीदवार हैं। यहां के प्रत्येक सीट पर औसतन 31 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं, जबकि लद्दाख और नगालैंड में सीटवार तीन-तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। तमिलनाडु की करूर सीट पर सबसे अधिक 54 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें से 46 (85 प्रतिशत) उम्मीदवार निर्दलीय हैं।की रिपोर्ट में सामने आए आंकड़ेइस चुनाव में किस्मत आजमा रहे उम्मीदवारों की औसत उम्र 48 साल है। राष्ट्रीय दलों के उम्मीदवारों में 13 प्रतिशत की उम्र 40 साल से कम है, जबकि बीएसपी की ओर से चुनाव मैदान में उतारे गए 20 फीसदी उम्मीदवारों की उम्र 40 साल से कम हैं। प्रमुख दलों की ओर से मैदान में उतारे गए उम्मीदवारों में से 27 फीसदी पहले सांसद रह चुके हैं। इनमें से 25 फीसदी पूर्व में लोकसभा सदस्य, चार फीसदी राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं, जबकि दो प्रतिशत ऐसे हैं, जो संसद के दोनों सदनों में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।मौजूदा लोकसभा के 327 सदस्य दोबारा किस्मत आजमा रहे हैं, इनमें से एक दो सीट से चुनाव लड़ रहा है। इस बीच, 17 वीं लोकसभा के 34 सदस्य दोबारा किस्मत आजमा रहे हैं, लेकिन दूसरी सीट पर। इस चुनाव में 53 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है,

इंडिया गठबंधन के आंकड़ों से खुश, बेटे नकुलनाथ की हार पर क्या बोले कमलनाथ

समाचार गेट/एजेंसी

मध्य प्रदेश लोकसभा चुनाव को लेकर वोटों की गिनती शुरू है। छिंदवाड़ा लोकसभा सीट सबसे हॉट मानी जा रही है। यहां से 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। इस लोकसभा चुनाव में अभी तक के गिनती में बीजेपी के विवेक बंटी साहू आगे चल रहे हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ लाखों वोटों से पीछे चल रहे हैं। इसी बीच नकुलनाथ के पिता कमलनाथ की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा है कि जो है सो है, हम इसकी जांच करेंगे।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने देशभर में कांग्रेस के चुनावी रुझानों पर कहा है कि हां मैंने देखा कि पार्टी 214 पर आगे चल रही है। यह अच्छी बात है। यह वही है, जो समाचारों में बताया जा रहा है। हम देखेंगे कि वास्तव में क्या होता है। बता दें कि

छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर ही बीजेपी को 2019 में हार का सामना करना पड़ा था।दूसरी बार नकुलाथ लड़ रहे हैं चुनावबता दें कि छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर कांग्रेस को केवल 1997 के उपचुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। बाकी सारे चुनाव कांग्रेस जीतती रही है। 1977 के लोकसभा चुनावों में जब कांग्रेस को देश में बुरी हार मिली थी, तब भी छिंदवाड़ा में जीत गई थी। यहां से कमलनाथ नौ बार सांसद चुने गए हैं और उनके बेटे नकुलनाथ पिछला चुनाव जीतने के बाद दूसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं।

छिंदवाड़ा में कमलनाथ ने पूरी ताकत झोंक दी थी।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने आईएनएस चिल्का का दौरा किया

समाचार गेट/ भावना कौशिश

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भारतीय सेना के प्रमुख आरंभिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान आईएनएस चिल्का का दौरा किया है।

सीडीएस को भारतीय नौसेना के भविष्य के सामुद्रिक योद्धाओं को आकार देने में आईएनएस चिल्का द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें अग्निवीर प्रशिक्षणों का अवलोकन और चिल्का में अब तक प्रशिक्षित बैचों का विश्लेषण उपलब्ध कराया गया।

अग्निवीरों को किए गए अपने संबोधन में सीडीएस ने जानकारी दी कि ''अग्निपथ योजना'' का कार्यान्वयन कुशल, अनुशासित और प्रेरित युवाओं को उपलब्ध कराए जाने के द्वारा सेना में एक युवा प्रोफाइल बनाये रखने तथा राष्ट्र निर्माण करने की दिशा में किए सुधारों में से एक प्रमुख सुधार रहा है। उन्होंने अग्निवीरों को प्रौद्योगिकी के रूप से एक प्रवीण सामुद्रिक योद्धा बनने के

लिए प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। परस्पर बातचीत के दौरान, उन्होंने अग्निवीरों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दिया।

नौसेना में अग्निवीर प्रशिक्षणों के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए, सीडीएस ने प्रशिक्षण के बुनियादी ढांचे का एक संक्षिप्त दौरा किया। उन्होंने प्रशिक्षण के उच्च मानक प्रदान करने और सामुद्रिक योद्धाओं की अगली पीढ़ी को आकार देने के लिए प्रशिक्षण संकाय की सराहना की।

भारी गिरावट के बीच बाजार खुलते ही अडानी एंटरप्राइजेज में लगा लोअर सर्किट

समाचार गेट/एजेंसी

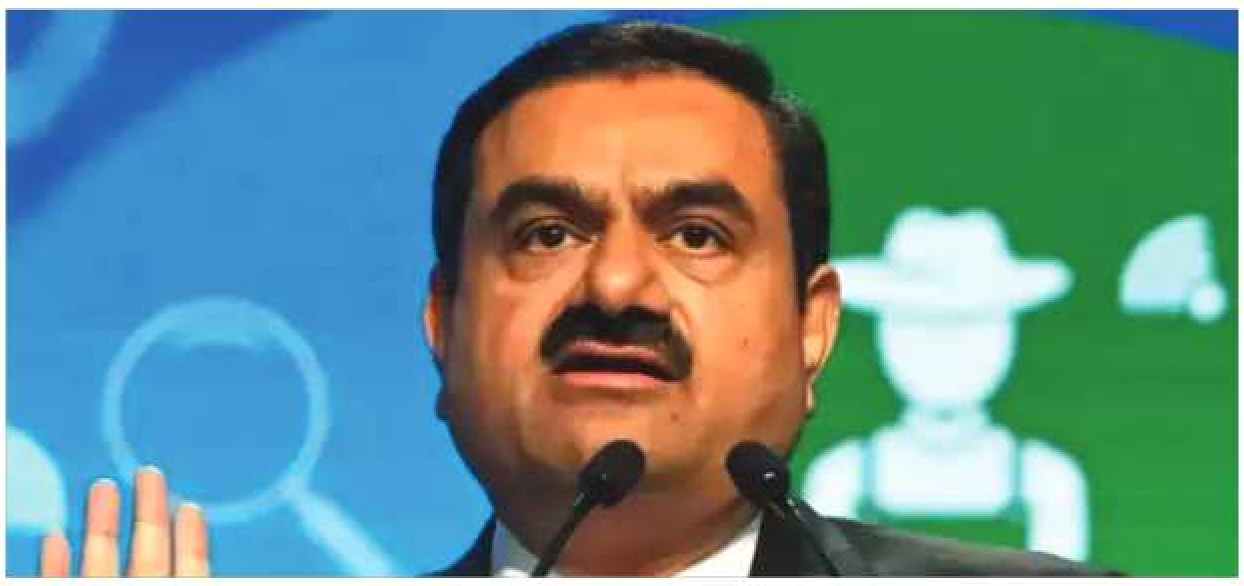

नई दिल्लीः शेयर बाजार में आज सुबह से भारी गिरावट देखने को मिल रही है। बाजार गिरावट के साथ खुला है। वहीं सेंसेक्स अभी सुबह 10 बजे के करीब 1600 अंकों से ज्यादा की गिरावट के साथ 74,808.62 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। वहीं निफ्टी 500 अंकों से ज्यादा की गिरावट के साथ 22,757.10 के स्तर पर है। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद आज सुबह से

वोटों की गिनती शुरू हो गई है। इस बीच बाजार में सुबह से ही भारी गिरावट देखने को मिल रही है।

बाजार में इस भारी गिरावट के बीच अडानी ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। बाजार खुलते ही अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर धड़ाम हो गए हैं।

शेयरों में बिकवाली

अडानी ग्रुप के शेयरों में बिकवाली देखने को मिल रही है।

अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में लोअर सिक- ट लग गया है।

अडानी ग्रुप के स्टॉक्स में गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

शेयरों में गिरावट के बीच गौतम अडानी की नेटवर्थ को भी झटका लगा है। इसमें भी गिरावट आई है।

लाल निशान पर पहुंचे शेयर

शेयर बाजार में रेकॉर्ड गिरावट के बीच अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर लाल निशान पर ट्रेड कर रहे हैं।

शेयर बाजार में गिरावट के बीच अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है।

अभी तक तूफानी तेजी से भाग रहे अडानी के स्टॉक्स आज लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं।

आज अडानी ग्रीन 5 फीसदी गिरावट के साथ 1932 रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

अडानी पावर में 6 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 8.20 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज में 9.17 फीसदी, अडानी विल्मर में 5.6 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन में 8 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 8.90 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 9 फीसदी, अंबुजा सीमेंट में 9 फीसदी और एनडीटीवी के शेयर में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी जा रही है।

शेयर बाजार में 3200 अंकों की बड़ी गिरावट

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः आज चुनावी नतीजों के दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी जा रही है। सेंसेक्स 1300 अंक- ों की ज्यादा गिरावट के साथ खुला है। बाजार में सुबह से ही गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स अभी 3200 अंकों की ज्यादा गिरावट के साथ 73,210 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। वहीं निफ्टी 400 अंकों से ज्यादा की गिरावट के साथ 22,808.40 के स्तर पर है। बाजार में गिरावट के बीच अडानी ग्रुप के शेयरों में भी भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इससे पहले कारोबारी सप्ताह के पहले दिन कल यानी सोमवार को एग्जिट पोल में एनडीए के जबरदस्त बहुमत के साथ वापसी करने की उम्मीदों से बाजार में बंपर तेजी देखने को मिली थी। बाजार रेकॉर्ड तेजी के साथ खुला था। लेकिन आज सुबह से ही बाजार में भारी गिरावट देखी जा रही है। आज सुबह बाजार खुलते ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1700 अंकों से ज्यादा फिसल गया। वहीं निफ्टी भी 400 अंकों से ज्यादा टूटकर खुला है।अडानी के शेयरों में बड़ी गिरावटशेयर बाजार में गिरावट के बीच अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है। अभी तक तूफानी तेजी से भाग रहे अडानी के स्टॉक्स आज लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। आज अडानी ग्रीन 5 फीसदी गिरावट के साथ 1932 रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। अडानी पावर में 6 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 8.20 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज में 9.17 फीसदी, अडानी विल्मर में 5.6 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन में 8 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 8.90 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 9 फीसदी, अंबुजा सीमेंट में 9 फीसदी और एनडीटीवी के शेयर में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी जा रही है।

शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखने को मिली थी। शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स करीब 2000 अंकों के ऊपर 2621 पर खुला था। वहीं निफ्टी आज 807 अंक के ऊपर खुला था। एग्जिट पोल के नतीजों का आज शेयर बाजार पर असर देखने को मिल रहा था। बाजार में कल बंपर तेजी के संकेत प्री-ओपनिंग में ही देखने को मिल रहे थे। सुबह 9 बजे प्री-ओपन में निफ्टी में करीब एक हजार अंक और सेंसेक्स में 2600 से ज्यादा अंकों की बढ़त देखने को मिल रही थी।

ऐसे में बाजार में बंपर तेजी की संभावना लगाई जा रही थी।

अफगान ने युगांडा का किया बुरा हाल

फजलहक फारुकी ने खोला पंजा

समाचार गेट/एजेंसी

गुयानाः आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का पांचवां मुकाबला अफगानिस्तान और युगांडा के बीच गुयाना के प्रोविडेंस क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। यह मैच अफगानिस्तान ने बड़ी आसानी के साथ अपने नाम कर लिया। उन्होंने 125 रन से इस मैच में युगांडा को रौंद दिया और कुछ खास रिकॉर्ड भी बनाए। युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की थी। ऐसे में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 183 रन बना डाले। 184 रन के टारगेट का पीछा करते हुए युगांडा टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई। वह पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाए और 16 ओवर में ही 58 रन पर ऑल आउट हो गए। यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास की चौथी सबसे बड़ी जीत थी।

अफगानिस्तान टीम के तेज तर्रार गेंदबाज फजलहक फारुकी ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए युगांडा टीम के बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। उन्होंने एक दो नहीं बल्कि पूरे 5 विकेट लिए। पंजा खोलकर फजलहक ने अफगानिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 9 रन दिए। इसके अलावा कप्तान राशिद खान और नवीन उल हक को भी 2-2 सफलता मिली जबकि एक विकेट मुजीब उर रहमान को भी मिला। युगांडा की तरफ से सर्वाधिक 14 रन रॉबिन्सन ओबुया ने बनाए गुरबाज-इब्राहिम की मैच विनिंग साझेदारीअफगानिस्तान के ओपनर्स रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान के बीच ओपनिंग पार्टनरशिप बड़ी गजब की हुई। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 87 गेंद में 154 रन जोड़े। जहां गुरबाज ने 76 तो इब्राहिम ने 70 रन बनाए। हालांकि इनके आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी धीमी पड़ गई थी। पहला विकेट गिरने के बाद अगले 5.3 ओवर में अफगानी टीम ने 4

भारत के मैच से पहले मोहम्मद रिजवान का बड़ा बयान

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः विश्व कप के इतिहास में सिर्फ एक बार पाकिस्तान ने भारत को हराया है। चाहे वो 50 ओवर हो या फिर टी20। यह जीत 2021 टी20 वर्ल्ड कप में दुबई में मिली थी, जहां बाबर आजम की टीम ने भारतीय टीम को मात दी थी। टी20 वर्ल्ड कप की बात करें तो भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 बार जीत दर्ज की है और सिर्फ एक बार हारा है। वहीं, 50 ओवर के वर्ल्ड कप में तो भारत अब तक 8 बार पाकिस्तान को हरा चुका है और एक बार भी नहीं हारा है। मोहम्मद रिजवान जो 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे, उन्होंने बताया कि उस एक जीत ने पाकिस्तानी क्रिकेटर- ों की जिंदगी में कितना बड़ा बदलाव ला दिया।

रिजवान ने अमेरिका में एक कार्यक्र- म में कहा, उससे पहले (वर्ल्ड कप में) हमने कभी भारत को नहीं हराया था। रमीज राजा हमसे मिले और बोले, आपको भारत को हराना है। भले ही आप ट्रॉफी जीतते हो या नहीं, बस भारत से मत हारना। वो कहते थे कि दबाव में मत आना, और फिर खुद ही हम पर दबाव डाल देते थे।

मोहम्मद रजिवान का बड़ा खुलासा

पाकिस्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रजिवान ने बताया कि कैसे 2021 के वर्ल्ड कप में भारत को हराने के बाद लोगों ने उनका सम्मान किया। रजिवान ने कहा, मेरे लिए तो ये सब पहली बार हो रहा था, चाहे वो वर्ल्ड कप खेलना हो या इतना बड़ा मैच। तो मैं बिल्कुल सामान्य महसूस कर रहा था, मुझे नहीं लगा कि ये किसी और मैच से अलग है। लेकिन जब हम जीत गए, तब जाकर मुझे एहसास हुआ कि हमने क्या हासिल किया है। पाकिस्तान में, कहीं शॉपिंग करने जाता हूं तो लोग पैसे नहीं लेते। फिर तो मैं शॉपिंग के लिए जाना ही छोड़ दिया क्योंकि वो हमसे पैसे ही नहीं ले रहे थे, सब भारत को हराने के लिए हमारी तारीफ कर रहे थे। जिस किसी से भी मिला वो हमारी जीत के लिए सराहना कर रहा था। एक बार तो किसी के कमरे में गया तो वहां टेलीविजन पर वही मैच चल रहा था और उन्होंने बताया कि वो ये मैच हर रोज देखते हैं।

आपको बता दें कि भारत और पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 9 जून को भिड़ने वाले हैं। इस महामुकाबले का आयोजन न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

साउथ अफ्रीका ने नहीं की इज्जत, जैक कैलिस के अंदाज में मचाया कोहराम

समाचार गेट/एजेंसी

रूबेन ट्रम्पेलमैन की शानदार गेंदबाजी और डेविड विसे के ऑलराउंड प्रदर्शन की मदद से नामीबिया ने ओमान को सुपर ओवर में हराकर टी20 विश्व कप में अपने अभियान की जीत से शुरुआत की। ओमान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। इसके जवाब में नामीबिया की टीम निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 109 रन ही बना पाई। नामीबिया ने विसे और कप्तान गेरहार्ड इरास्मस की आक्रामक बल्लेबाजी की मदद से सुपर ओवर में 21 रन बनाए। विसे ने इसके बाद गेंद संभाली और ओमान को केवल 10 रन ही बनाने दिए।साउथ अफ्रीका के लिए किया था इंटरनेशनल करियर का आगाजविसे सुपर ओवर में अकेले नामीबिया की जीत के हीरो रहे। बता दें कि विसे ने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर का आगाज साउथ अफ्रीका के लिए किया था। वह 2016 तक साउथ अफ्र- ीका टीम का हिस्सा थे, लेकिन जब उन्हें टीम में लगातार मौके नहीं मिले तो उन्होंने नामीबिया मूव करने का फैसला किया। अब जब वह 39 साल के हैं तो भी उनके खेल में किसी तरह की गिरावट नहीं आई है। उन्होंने सुपर ओवर में विपक्षी टीम के पाकिस्तानी मूल के पेसर बिलाल खान को चौका-छक्का उड़ाते हुए नामीबिया को सुपर ओवर में 21 रनों तक पहुंचा दिया, जबकि गेंदबाजी करते हुए ओमान को 10 रनों पर रोक लिया कैलिस के रिप्लेसमेंट के तौर पर देखे जा रहे थे, लेकिन...2013 में जब महान ऑलराउंडर कैलिस ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा तो साउथ अफ्रीका को ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी, जो उनकी जगह पेस गेंदबाजी कर सके और बल्लेबाजी में भी कमाल दिखा सके।

विसे के पास यह करने का दम था, लेकिन साउथ अफ्रीकी टीम में अंदर-बाहर होने के बाद उन्होंने देश बदलने का का फैसला किया।

उनका यह फैसला न केवल उनके लिए वरदान साबित हुआ, बल्कि नामीबिया की किस्मत बदलने वाला भी रहा।

गेंद नहीं आग का गोला फेंकता है यह अफगानी पठान

समाचार गेट/एजेंसी

प्रोविडेंस क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान और युगांडा के बीच आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का पांचवां मुकाबला खेला गया। इस मैच में अफगानिस्तान ने 125 रन से जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रन बनाए।

184 रन के टारगेट का पीछा करते हुए युगांडा 58 रन पर ही ऑल आउट हो गई और 125 रन से मैच हार गई। यह वर्ल्ड कप के इतिहास की चौथी सबसे बड़ी जीत थी। अफगान टीम की जीत में उनके तेज गेंदबाज फजलहक फारुकी ने अहम योगदान दिया।

अफगानिस्तान के लेफ्ट आर्म तेज तर्रार गेंदबाज फजलहक फारुकी ने युगांडा के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 9 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने पंजा खोलकर युगांडा को 58 रन पर ऑल आउट करने में अहम भूमिका निभाई।

टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का चौथा सबसे बेहतरीन स्पेल

फजलहक फारुकी का यह स्पेल टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का चौथा सबसे बेहतरीन स्पेल था।

जयप्रकाश एसोसिएट्स पर शुरू होगी दिवालिया प्रक्रिया

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः जयप्रकाश एसो- सिएट्स को बड़ा झटका लगा है। आईसीआईसीआई बैंक की ओर से करीब 6 साल पहले दायर एक याचिका के बाद अदालत ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) को दिवालिया प्रक्रिया के लिए मंजूरी दे दी है। कर्ज संकट में फंसी जयप्रकाश एसोसिएट्स के खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी दी है। जेपी ग्रुप की प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स कंस्ट्रक्शन, सीमेंट और हॉस्पिटेलिटी बिजनेस में काम करती है। कंपनी करीब 3 हजार करोड़ रुपये का भुगतान करने में विफल रही थी। इसके बाद बैंक ने ट्रिब्यूनल का रुख किया था। बता दें कि जेपी ग्रुप की प्रमुख कंपनी जेएएल ने अपना कर्ज का बोझ कम करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में अपने कई सीमेंट प्लांट्स को बेच दिया है। बकाया चुकाने में विफलकंपनी अपना बकाया चुकाने में असफल रही है। इस घटनाक्रम से कंपनी के डालमिया भारत समूह के साथ सौदा करने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न होने की संभावना है, जिस- के तहत डालमिया भारत समूह द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स की सीमेंट, क्लिंकर और बिजली इकाइयों को 5,666 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर अधिग्रहित किया जाना था। यह जेपी समूह की प्रमुख कंपनी है, जिसके पास सीमेंट, आतिथ्य, रियल एस्टेट, उर्वरक और निर्माण व्यवसाय शामिल हैं। वित्त वर्ष 2023 में, एनएआरसीएल ने जेपी इंफ्राटेक के ऋण का 62 फीसदी या 9,234 कर- ोड़ रुपये का अधिग्रहण किया, जिससे ऋणदाताओं को निर्विरोध स्विस चुनौती नीलामी के बाद 39त्न वसूली की पेशकश की गई पहले स्वीकार नहीं हुई थी याचिकाआईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक ने 2018 में एनसीएलटी में याचिका लगाई था लेकिन तब लेकर अब तक इनकी याचिका स्वीकार नहीं हुई थी। अब सोमवार को एनसीएलटी ने स्वीक- ार कर लिया है जिसके चलते अब जेपी एसोसिएट्स की दिवालिया प्रक्रिया शुरु हो गई है। अब जेपी एसो- सिएट्स के काम आईआरपी (इंट्रिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल) की निगरानी होगी।बायर्स की भी बढ़ी टेंशनजेपी ग्रुप की मदर कंपनी जेपी एसोसिएट्स के दिवालिया प्रक्रिया में जाने में जेपी इंफ्राटेक में फंसे 22 हजार बायर्स की विलंब शुल्क की देनदारी भी फंस सकती है। 2013 तक फ्लैट देने की डेडलाइन पूरी न होने पर बायर्स ने यह शुल्क कंपनी से मांगा था जिसे कोर्ट ने मदर कंपनी यानि जेपी असो- सिएट्स की ओर से दिए जाने का आदेश दिया था।22 हजार बायर्स का करीब 6-7 हजार करोड़ का विलंब शुल्क जेपी असोसिएट्स पर बनता है। अधिकांश बायर्स का 2-6 लाख तक का विलंब शुल्क मदर कंपनी को देना था। क्योंकि अलॉटमेंट लेटर बायर्स को जेपी असोसिएट्स की ओर से दिए गए थे और बायर्स का पैसा जेपी इंफ्राटेक में लिया गया था। इस कंपनी के दिवालिया में जाने से हम जेपी इंफ्राटेक में फंसे बायर्स की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

एसी-फ्रिज की मांग बढ़ने के साथ कंपनियों ने बढ़ाए दाम

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः इस महीने से लोगों को रेफ्रिजरेटर , वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, पंखे, किचन के सामान, वायर और पंप जैसे बिजली के सामान खरीदने के लिए 2-5 फीसदी ज्यादा कीमत चुकानी होगी। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, हैवेल्स, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और वी-गार्ड इंडस्ट्रीज जैसे बड़े निर्माता या तो पहले ही कीमत बढ़ा चुके हैं या फिर उन्होंने अपने डीलर्स को बताया है कि वे जल्द ही कीमतें बढ़ाने वाले हैं। ये कीमतें करीब 9 महीनों के बाद बढ़ी हैं। कॉपर और एल्यूमीनियम जैसी चीजों के दामों में 20-25 फीसदी की बढ़ोतरी, पिछले दो-चार महीनों में लाल सागर क्राइसिस के कारण माल ढुलाई लागत में तेजी के अलावा रुपये के कमजोर होने से बिजली उपकरणों के भाव में बढ़ोतरी की गई है।इनपुट कास्ट बढ़ी

इकॉनिमक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, होम अप्लायंस बनाने वाली कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने गुरुवार को अपने व्यापारिक भागीदारों को व्हाट्सऐप मैसेज के माध्यम से बताया कि इनपुट लागत बढ़ी है। इसलिए हम जून से होम अप्लायंस सामानों में 2-5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाएंगी। हालांकि इस बारे में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भेजे गए ई-मेल का अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। वहीं हैवेल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल राय गुप्ता ने बताया कि कंपनी ने इस महीने तारों की कीमतें बढ़ा दी हैं। पिछली तिमाही में भी उन्होंने कीमतें बढ़ाई थीं। उन्होंने कहा कि कॉपर और एल्यूमीनियम की कीमतें बढ़ने से एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर की कीमतें 5-7 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। हैवेल्स के पास अप्लायंस ब्रैंड भी है।

आम आदमी को झटकाआम आदमी पर एसी-फ्रिज की कीमतें बढ़ने के साथ महंगाई की मार पड़ेगी। आम आदमी पहले से ही महंगाई से परेशान है। देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। इनपुट कास्ट बढ़ने का असर सामानों की कीमतों पर देखने को मिलेगा

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्णा शर्मा।
सम्पादकीय कार्यालयः मकान नंबर 2,
नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः ब्रह्मदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

नूतन ने चार दशक के करियर में 80 से ज्यादा फिल्मों में काम किया

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली:चार दशक का करियर, 80 से ज्यादा फिल्में, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की एकमात्र एक्ट्रेस, जिन्होंने बेस्ट एक्ट्रेस के पांच फिल्मफेयर अवॉर्ड अपने नाम किए। वो भी उम्र के उस पड़ाव पर, जब उस दौर में एक्ट्रेसेस का करियर खत्म होने की कगार पर माना जाता था, तब भी वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना परचम लहरा रही थीं। इतना सफल करियर, इतनी ऊंची उड़ान, तब भी नूतन को समाज के दिए दर्द से गुजरना पड़ा, ताने सुनने पड़े। जिसे आज के जमाने में बॉडी शेमिंग कहा जाता है, उन्हें भी इस तंज से दो-चार होना पड़ा। कहते हैं कि लोग उनका मजाक उड़ाते हुए कहते थे कि अगर नूतन को चित्रित करना है तो एक लकीर खींच दो! उनकी तुलना अगरबत्ती से होती थी!! पर उन्होंने अपने शानदार काम और करियर से इन लोगों की बोलती बंद कर दी थी।

नूतन का जन्म एक मराठी परिवार में हुआ था। वह निर्देशक/कवि कुमारसेन समर्थ और उनकी एक्ट्रेस पत्नी शोभना समर्थ की चार संतानों में सबसे बड़ी थीं। उनकी छोटी बहन तनुजा, काजोल की मां भी एक्ट्रेस हैं। जब वह बच्ची थी, तब उनके माता-पिता अलग हो गए थे। जब उनसे उनके पिता के बिना रहने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा था, मेरे माता-पिता अलग हो गए और मैं अपने पिता से बहुत कम ही मिलती थी। उनके मरने से कुछ महीने पहले, जब वह बीमार थे, मैं उनके करीब थी।

काश मैंने उनके साथ और समय बिताया होता। यह एक ऐसा पछतावा और अपराधबोध है, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती। न केवल इसलिए कि मैं वह बेटी नहीं बन पाई जो मैं बनना चाहती थी, बल्कि इसलिए भी कि मैं अपने जीवन के और साल इतने गर्मजोशी से भरे, देखभाल करने वाले और प्रतिभाशाली व्यक्ति के साथ नहीं बिता पाने के कारण बहुत बड़ी क्षति महसूस कर रही थी।

एक बार स्कूल शो के दौरान एक टीचर जो मुझे तैयार कर रही थी, उसने अचानक कहा, तुम शोभना समर्थ जैसी दिखती हो। क्या तुम उनके किसी रिश्ते में हो? मैंने हकलाते हुए कहा, ब..ब.. वह मेरी मां हैं। सालों बाद, मेरी मां की मुलाकात यूरोप में किसी से हुई, जिसने उनसे पूछा कि क्या वह नूतन नाम की इंडियन एक्ट्रेस से किसी रिश्ते में हैं!

भारत वापस आने के बाद नूतन फिर से फिल्मों में लौट आईं और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनके नाम अभी भी बेस्ट एक्ट्रेस के लिए सबसे ज्यादा फिल्मफेयर अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड है। 30 साल बाद 2011 में ही उनकी भतीजी काजोल ने भी इस श्रेणी में 5 अवॉर्ड जीतकर उनकी बराबरी की। वह जया बच्चन के बाद सबसे ज्यादा अवॉर्ड जीतने वाली फीमेल एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने एक्टिंग के लिए 6 अवॉर्ड जीते हैं। 1974 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। घटना के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा था, संजीव कुमार को थप्पड़ मारना एक बहुत चर्चित घटना बन गई। उन्होंने एक बहुत ही लापरवाह, गैरजिम्मेदाराना बयान दिया कि उनका अफेयर है और इससे मैं बहुत क्रोधित हो गई।

एक्ट्रेस ने अपनी आलोचनाओं पर खुलकर बातें की

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली: संजय लीला भंसाली निर्देशित हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार में आलमज़ेब की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस शिर्मन सेगल को काफी आलोचनाएं सहनी पड़ रही हैं। लोगों ने उन्हें एक्सप्रेशनलेस कहा है और काफी मजाक उड़ाया है। अब इतने समय के बाद फाइनली एक्ट्रेस ने अपनी आलोचनाओं को लेकर चुप्पी तोड़ी है और पहली बार रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने इस रोल के लिए काफी सारे पॉजिटिव कॉमेंट्स भी मिले हैं लेकिन लोगों की सिर्फ नेगेटिव कॉमेंट्स में ही दिलचस्पी है।

दरअसल एक तरफ हीरामंडी सी-रीज के आने के बाद शो को लेकर रिव्यू आने लगे और इसी के साथ इस सीरीज में नजर आई एक्ट्रेसेस एक-एक कर सुर्खि यों में रहने लगीं। जहां ऋचा चड्ढा से लेकर मनीषा कोइराला तक की जमकर तारीफें हुईं, वहीं कई दर्शकों और इन्फ्लुएंसर्स ने शिर्मन को एक्सप्रेशनलेस बताया और सोशल मीडिया पर उनकी नकल उतारने वालों की भीड़ जमा हो गई। इसके अलावा उन्होंने लोगों ने उनके बर्ताव के लिए भी खूब ट्रोल किया। वो अपने ही इंटरव्यूज की वजह से आलोचनाओं से घिरने लगीं। दरअसल सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो क्लिप्स सामने आए, जब शिर्मन अपनी को-स्टार अदिति राव हैदरी और ऋचा चड्ढा से बुरा बर्ताव करती दिखीं और लोगों ने यहीं से उन्हें नापसंद करना शुरू कर दिया। एक समय ऐसा भी था जब मैं काफी सारे रिव्यूज पर ध्यान नहीं दे रही थी लेकिन फिर धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि मैं भी बहुत सारा प्यार खो रही थी जो मुझे मिल रहा था। मैंने अब उस पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में, मैंने यह सब देखने का फैसला किया।

लोगों के ओपनियन आपको बतौर एक्टर और इंसान के तौर पर आगे बढ़ने में शेप देते हैं । ये वो रियल लोग हैं जो आपको जवाब देते हैं और इससे आपको एहसास होता है कि आप कितने लोगों तक पहुंच सकते हैं। इसलिए लोगों के ये ओपनियन बेहद जरूरी हैं। ऐसा नहीं कि शिर्मन कैमरे के सामने और पर्दे पर पहली बार नजर आई हों। उन्होंने संजय लीला भंसाली की कई और फिल्मों में काम किया है, जिसमें गोलियों की रासलीला:राम-लीला , बाजीराव-मस्तानी में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। वहीं एक्टिंग की शुरुआत उन्होंने साल 2019 की फिल्म मलाल से की थी जिसमें मिजान जाफरी थे। वहीं फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में भी शिर्मन असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुकी हैं।

थिएटर और टीवी पर अपनी दमदार परफॉर्मेंस से अमिट छाप छोड़ी है

समाचार गेट/एजेंसी

पिछले चार दशकों में उन्होंने फिल्मों के अलावा । उन्होंने हाल ही में बॉलीवुड फिल्मों के बारे में बात की। कोरियन और थाईलैंड की फिल्मों को हिंदी फिल्मों से हजारों गुना बेहतर बताया। ये भी कहा कि उन्हें बॉलीवुड लव स्टोरीज से सख्त नफरत है और जल्द ही हिंदी फिल्मों का बवल फूटेगा, क्योंकि ये एक मकसद से बनाई जा रही हैं।

अगर आप थाईलैंड की फिल्में देखिए, वो हजार गुना बेहतर हैं हमारी फिल्मों से। और हम अपनी छाती पीट रहे हैं कि सारी दुनिया में बॉलीवुड की फिल्में देखी जा रही हैं। एक तो ये बॉलीवुड लव से मुझे सख्त नफरत है।

73 साल के एक्टर ने आगे कहा, जिस तरह से हिंदुस्तानी खाना खाया जा रहा है दुनियाभर में, हमारी हिंदी फिल्में भी दुनियाभर में देखी जा रही हैं। भई हिंदुस्तानी खाने में कुछ दम होता है, इसीलिए वो खाया जा रहा है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो नसीरुद्दीन शाह को पिछली बार कुत्ते फिल्म में देखा गया था।

इसका डायरेक्शन आसमान भारद्वाज ने किया था। फिल्म में तब्बू, अर्जुन कपूर, राधिका मदान, कोंकणा सेन शर्मा और कुमुद मिश्रा जैसे स्टार्स भी नजर आए।

अपनी पहचान छिपाने के लिए बुर्का पहनकर पूछताछ कर्ताओं के सामने पेश हुई

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली: बेंगलुरु रेव पार्टी मामले की जांच कर रही सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने सोमवार को पूछताछ के बाद तेलुगु फिल्म एक्ट्रेस हेमा को गिरफ्तार कर लिया। 19 मई को इलेक्ट्रॉनिक सिटी के पास एक फार्महाउस में रेव पार्टी का आयोजन किया गया था। सेंट्रल क्र ाइम ब्रांच (सीसीबी) ने सोमवार को हेमा को उनके ऑफिस में बुलाया था। सूत्रों ने कहा कि वह अपनी पहचान छिपाने के लिए बुर्का पहनकर पूछताछकर्ताओं के सामने पेश हुईं। उनके जवाब संतोषजनक नहीं होने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस स्टेशन के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा, मैंने कुछ नहीं किया। मैं निर्दोष हूं। देखो वे मेरे साथ क्या कर रहे हैं। मैंने ड्रग्स नहीं लिया।

जनमिदन की पार्टी के बहाने रेव पार्टी का आयोजन किया गया था, जहां ज्यादातर लोग पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से आए थे। उन्होंने बताया कि वहां बेंगलुरु से भी कुछ लोग थे। एक सूचना के आधार पर, सीसीबी ने जगह पर छापा मारा और पार्टी में शामिल होने वाले लोगों के ब्लड सैंपल लिए। पुलिस सूत्रों ने कहा था कि बाद में ब्लड रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि हेमा समेत 86 लोग ड्रग्स के सेवन से संक्रमित पाए गए थे।

उन्होंने प्रेस को एक वीडियो जारी कर बताया कि वह बेंगलुरु में नहीं बल्कि हैदराबाद में हैं।

न्होंने वीडियो में कहा, मैं कहीं नहीं गई हूं, मैं हैदराबाद के एक फार्महाउस में एन्जॉय कर रही हूं और चिल कर रही हूं। कृपया अफवाहों पर विश्वास न करें। मुझे नहीं पता कि वहां कौन है, यह फर्जी खबर है कि मैं पार्टी में थी।

संगीता बिजलानी से उनकी 27 मई, 1994 में शादी होने वाली थी लेकिन टूट गई

समाचार गेट/एजेंसी

एक बार तो एक्टर के जनमिदन के मौके पर एक्ट्रेस पार्टी में पहुंची थीं। जब एक्टर ने उन्हें बाहर तक ड्रॉप किया था। कार में बिठाने से पहले, गले मिले थे।

नई दिल्ली: सलमान खान ने भले ही आज तक शादी नहीं की। भले ही उनकी लाइफ में आज कोई लड़की नहीं है। लेकिन एक वक्त ऐसा था, जब वह एक सीरियस रिलेशनशिप में थे। वह उस अदाकारा से शादी करने वाले थे। उनकी शादी का कार्ड तक छप चुके थे। शहनाई बजने वाली थी। फेरे होने की तैयारी हो रही थी। मगर ऐसा कुछ हो न सका। क्योंकि इन सबके पहले ही सब बर्बाद हो गया था। रिश्ता किसी तीसरे की वजह से टूट चुका था।

सलमान खान और संगीता बिजलानी को अक्सर किसी खास मौके पर साथ में देखा जाता है। दोनों एक-दूसरे के साथ अच्छे से पेश आते हैं। उनके माथे को चूमा था। और ये वीडियो तेजी से वायरल हो गया था। हालांकि ये कुछ नया नहीं था क्योंकि एक्टर जब प्यार में थे तो वह उनके मिलने के लिए साइकिल पर जाया करते थे।

उसी दौरान ये बात आग की तरह फैल गई थी कि एक्टर साइकिल चलाते हैं और शॉर्ट्स में घूमते हैं। दोनों ने लंबे समय एक-दूसरे को डेट किया था। लेकिन बाद में इनका ब्रेकअप हो गया था। जिसके पीछे अलग-अलग वजहें बताई जाती हैं।

सपने को पूरा करने के लिए डॉक्टर का किरदार निभाएंगी

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली: राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अपनी हालिया फिल्म मिस्टर एण्ड मिसेज माही के प्रमोशन के लिए आए। यह उनकी साथ में दूसरी फिल्म है और दोनों ने एक-दूसरे के बारे में खुलकर बातें कीं और दिलचस्प जानकारियां भी शेयर कीं। बातचीत के दौरान राजकुमार राव ने बताया कि करियर शुरू करने से पहले ही उन्हें रोल दिलाने का वादा कर 10,000 रुपये की ठगी की गई थी। वहीं, जान्हवी ने बताया कि उनकी मां दिवंगत श्रीदेवी उन्हें क्या बनते हुए देखना चाहती थीं।

राजकुमार उस समय 11वीं कक्षा में थे। उन्होंने बताया, यह दिल्ली में हुआ था। मैं गुड़गांव से दिल्ली तक साइकिल से जाता था। मैंने जी टीवी शो के बारे में एक समाचार पत्र में किटंग देखी। टीवी और फिल्मों के बीच अंतर जानता हूं, मुझे बस इतना पता था कि मैं एक्टिंग करना चाहता हूं। मैं उस आदमी के ऑ-फिस में पहुंचा, यह एक सेटअप था और उसके पास फेमस एक्टर्स के साथ तस्वीरें थीं। वहां पहुंचते ही राजकुमार राव का बकायदा फोट-शूट किया गया, जिसके लिए उस शख्स ने उनसे 10,000 रुपये चार्ज किए। उनकी मां ने उन्हें पैसे उधार दिए थे और उन्हें उस आदमी का फोन भी आया कि उनका चयन हो गया है। एक्टर सातवें आसमान पर थे। हालांकि, जब वह 3 दिन बाद वहां गए, तो उन्होंने देखा कि ऑफिस बंद था और लोगों से पूछने पर उन्हें पता चला कि वह आदमी उनके पैसे लेकर भाग गया है।

प्रत्युषा साउथ सिनेमा की उभरती हुई स्टार थीं पर संदिग्ध मौत ने सबकुछ खत्म कर दिया

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली:आपको एक ऐसी एक्ट्रेस की दुख-दर्द भरी कहानी बता रहे हैं, जो आज अगर होती तो साउथ की टॉप और हाइएस्ट पेड स्टार होती। लेकिन नसीब ऐसा निकला कि उसे स्टारडम की जगह मौत मिली और वह 22 साल की उम्र ही इस दुनिया को अलविदा कह गई। वह थीं साउथ की एक्ट्रेस प्रत्युषा, जो 90 के दशक में उभरता सितारा थीं, और साल 2004 तक फिल्में करती रहीं। प्रत्युषा की अगर मौत न होती, तो उनके करियर पर ब्रेक नहीं लगता। प्रत्युषा ने 6 साल में 12 फिल्में की थीं, और अन्य हीरोइनों को टक्कर देने लगी थीं। प्रत्युषा के लिए कहा गया कि उन्होंने जहर खाकर सुसाइड कर लिया, पर मां ने बेटी के बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ पर हत्या और तीन बार दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था।

प्रत्युषा की मौत साल 2002 में हो गई थी, और उसके 15 साल बाद दिवंगत एक्ट्रेस की मां सरोजनी देवी ने दावा किया था कि उनकी बेटी के साथ उसके प्रेमी सिद्धार्थ रेड्डी की मदद से हाई-प्रोफाइल लोगों के एक ग्रुप ने बार-बार दुष्कर्म किया, और फिर हत्या कर दी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मां का दावा था कि इस केस में प्रत्युषा के बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ रेड्डी के अलावा कुछ मंत्रियों के बेटे शामिल थे।

माना जा रहा था कि सिद्धार्थ के परिवार को प्रत्युषा के साथ रिश्ता पसंद नहीं था, और इसी वजह से एक्ट्रेस ने खुदकुशी चुनी। लेकिन मां ने मानने से इनकार कर दिया क्योंकि बेटी तो करियर में उड़ान भर रही थी। खूब फिल्में कर रही थी। प्रत्युषा की मां ने बताया था कि बेटी की मौत से दो-ढाई घंटे पहले उनकी बात हुई थी, और उसने बताया था कि वह सिद्धार्थ के साथ डायरेक्टर तेजा से मिलने जा रही है। प्रत्युषा ने बताया था कि उन्हें तेजा की फिल्म मिल गई है। पर कुछ ही घंटे बाद मां को खबर मिली कि बेटी प्रत्युषा नहीं रही।

प्रत्युषा की मां ने कहा था कि अंतिम संस्कार के समय उन्हें बेटी की मौत में कहीं किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं था।

पर अगर ऐसा पता होता कि उसकी मौत में इतने सारे लोग शामिल थे तो वह अपनी बेटी का अंतिम संस्कार नहीं करतीं।

दरअसल प्रत्युषा बचपन से ही सिद्धार्थ से प्यार करती थीं। सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कर रहा था और प्रत्युषा फिल्मों की दुनिया में नाम कमा रही थीं। प्रत्युषा, सिद्धार्थ से शादी करना चाहती थी।

पर सिद्धार्थ का परिवार प्रत्युषा को बहू बनाने के लिए तैयार नहीं था। दोनों ने सिद्धार्थ के घरवालों को काफी मनाने की कोशिश की, पर वो नहीं माने।

प्रत्युषा की मां ने भी बेटी को समझाया कि वह और सिद्धार्थ पहले अपने करियर पर ध्यान दें और फिर आगे सोचें। लेकिन किस्मत तो उन्हें कुछ और ही दिखाने वाली थी।

पंचायत 3 फेम पंकज झा ने एक इंटरव्यू में अनुराग कश्यप पर कसा तंज

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली: पंचायत वेब सी-रीज में विधायक का किरदार निभाकर पंकज झा ने खूब पॉप्युलैरिटी हासिल की। उनके तीखे बोल और तेवर जिस तरह से सीरीज में फुलेरा गांव के लिए मुसीबत बनती दिखी। वैसे ही असल जिंदगी में भी वह अपने विचारों से सुर्खि यां बटोर रहे हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अनुराग कश्यप पर निशाना साधा है और उन्हें काफी कुछ कह दिया है।

उनके करियर की शानदार फिल्मों में से एक है। ये दो पार्ट्स में रिलीज हुई थी। इसमें मनोज बाजपेयी से लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, हुमा कुरैशी, पंकज त्रिपाठी, तिग्मांशु धुलिया, राजकुमार राव समेत कई अन्य कलाकार नजर आए थे। इसमें पंकज त्रिपाठी भी थे, जिन्होंने सुल्तान कुरैशी का रोल निभाया था। हालांकि वह इस किरदार के लिए पहली पसंद नहीं थे। बल्कि पंकज झा यानी पंचायत के विधायक थे।

कुछ चीजें ऐसी हुईं कि पंकज झा को हटाकर पंकज त्रिपाठी को कास्ट कर लिया गया। अब एक्टर ने इस बारे में बात करते हुए अनुराग कश्यप पर कटाक्ष किया है। उन्होंने डिजिटल कमेंट्री के साथ पॉडकास्ट में बातचीत की। पंकज झा से पूछा गया कि क्या उनको गैंग्स ऑफ वासेपुर से रिप्लेस करना राजनीति का हिस्सा था। और अगर उन्हें अगर इस मूवी में काम मिल जाता तो क्या उनके करियर का ग्राफ अलग होता?इस सवाल के जवाब में एक्टर ने कहा, मेरे पीठ पीछे होने वाली राजनीति से मुझे कोई मतलब नहीं है। ऐसा करने वाला तभी जीतता है, जब इससे मुझे नुकसान होता है। जो लोग किसी की पीठ पीछे राजनीति करते हैं तो वो आमतौर पर कायर होते हैं, है ना? नहीं तो वो सामने आकर खड़े होते। पंकज झा ने अनुराग कश्यप के साथ फिल्म गुलाल और ब्लैक फ्रा-इडे में काम किया है। जब उनसे पूछा गया कि फिल्ममेकर के साथ उनके रिश्ते गैंग्स ऑफ वासेपुर की घटना के बाद किस तरह से प्रभावित हुए तो उन्होंने खुद को निर्देशक बनाने वाला एक्टर बताया।